सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 239 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 5 अक्टूबर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

जो आप खुद नहीं पसंद करते उसे दूसरों पर मत थोपिए।
-कन्फ्यूशियस

भारतीय महिलाओं ने पहले मैच में... 7 | हरियाणा के रण में अब जनता... 3 | आस्था को तो मुनाफाखोरी से... 2

हरियाणा के चुनावी रण में दिखी मतदान की रफ्तार

» दोपहर तक 36.69 प्रतिशत वोटिंग
» कई जगह फर्जी मतदान पर बवाल
» मनोहर लाल खट्टर का 50 सीट जीतने का दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कांग्रेस ने कहा- जा रही है बीजेपी सरकार

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के लिए आज मतदान हो रहा है। सभी 90 सीटों पर मतदान जारी है। सुबह से मतदान की शुरुआत धीमी रही। हालांकि दोपहर होते-होते मतदाताओं में कुछ उत्साह देखने को मिला और मतदान केंद्रों की ओर भीड़ जुटी। चुनाव आयोग के अुनसार1 बजे तक 36.69 फीसद वोटिंग हो चुकी है। मेवात में मतदान तेजी में दिखाई दी जबकि पंचकुला में वोटिंग धीमी रही। मतदान के दौरान महिलाओं में गजब का जोश देखने को मिल रहा है। एक तरफ जहां भाजपा हैट्रिक लगाने का प्रयास कर रही है तो, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस अपने वापसी की राह देख रही है। आज मतदान के दौरान भी नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं।

पीएम मोदी , नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत दिग्गज नेताओ ने मतदाताओं से मतदान की अपील की है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी मतदान किया और जीत का दावा किया। कांग्रेस नेता सैलजा ने भी मतदान किया और सरकार बनाने का दावा किया। महिला पहलवान विनेश फोगाट ने भी मतदान किया। प्रदेश की 90 सीटों पर 1031 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 930 पुरुष और 101 महिला प्रत्याशी शामिल हैं। पीएम मोदी ने हरियाणा के लोगों से मतदान करने की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लिखा कि आज हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग है। सभी मतदाताओं से मेरी अपील है कि वे लोकतंत्र के इस पावन उत्सव का हिस्सा बनें और मतदान का एक नया रिकॉर्ड कायम करें। इस अवसर पर पहली बार वोट डालने जा रहे राज्य के सभी युवा साथियों को मेरी विशेष शुभकामनाएं। हिसार से निर्दलीय प्रत्याशी और देश की सबसे अमीर महिलाओं में शामिल सावित्री जिंदल ने हिसार में आईटीआई बूथ पर परिवार सहित वोट डाला। मतदान के दौरान सावित्री जिंदल काफी उत्साहित नजर आ रही थी। पूर्व मंत्री और रनिया विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार रणजीत सिंह चौटाला ने मतदान किया। मतदान के बाद कहा कि यह चुनाव व्यक्तित्व का चुनाव है। एक तरफ भूपेंद्र हुड्डा और दूसरी तरफ नायब सैनी और मनोहर लाल हैं। हालांकि, हुड्डा एक बड़ी पसंद के रूप में उभर रहे हैं।

90 सीटों पर मतदान जारी

कई जगह पकड़े गए फर्जी वोटर

बहादुरगढ़ के लाइनपार के न्यू बाल विकास स्कूल में फर्जी वोटर पकड़े गए हैं। वोटर जांच के दौरान यहां 2 फर्जी वोटर मिले हैं। लोगों ने पकड़ कर दोनों को पुलिस को सौंप दिया है। लाइनपार के फर्जी वोटर मामले की पुलिस जांच कर रही है। वहीं सोलधा गांव में बूथ के अंदर जो गाड़ी मिली है, उसमें से हथियार बरामद हुआ है। इनेलो उम्मीदवार शीला राठी के बेटे जितेंद्र राठी ने पुलिस को ये गाड़ी पकड़वाई है। बरामद हुआ हथियार लाइसेंसी है, जिसके मालिक से अब पुलिस पूछताछ कर रही है। सूचना मिल रही है कि हथियार रखने की परमिशन मिली थी।

1031 उम्मीदवार मैदान में हैं

हरियाणा को क्रांति की जरूरत : रणदीप सुरजेवाला

रणदीप सुरजेवाला ने जनता से कहा कि इस पर्व में बढ़ चढ़ कर हिसासा लें। बदलाव लोगों के चेहरे पर है, क्योंकि अब लोग थक गए हैं। हरियाणा में एक क्रांति की जरूरत है। बीजेपी के उम्मीदवार सबसे बड़े गुंडे हैं। अगर आपके पास कोई विजन है तो आपको जरूर अच्छा परिणाम मिलेगा।

प्रदेश के लोग 100 प्रतिशत वोट डालें : नायब सिंह

हरियाणा के मुख्यमंत्री और लाडवा से भाजपा उम्मीदवार नायब सिंह सैनी ने वोट डालने के बाद प्रदेश के लोगों से 100 प्रतिशत वोट डालने की अपील किया। उन्होंने कहा कि एक बार फिर से हरियाणा में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने करनाल पहुंचकर मतदान किया। मतदान के बाद उन्होंने दावा किया कि भाजपा 50 से अधिक सीटें जीत रही है। वहीं, कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि भूपेंद्र हुड्डा और सैलजा के

बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। भाजपा में इन दोनों के लिए खुला ऑफर है। भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई ने मतदान के बाद कहा कि प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बन रही है। बीजेपी पूर्व बहुमत की सरकार बनाएगी। बीजेपी के पक्ष में अच्छा माहौल है।

किसी की लहर नहीं दिख रही है : चौटाला

ओम प्रकाश चौटाला ने कहा है कि मुझे किसी की लहर नहीं दिख रही है। हम जीतेंगे और सरकार बनाएंगे। आईएनएलडी किंग मेकर होगी। वहीं अभय चौटाला ने 30-35 सीटों पर जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास लोग आएंगे। हम नहीं जाएंगे किसी के साथ। इसके अलावा आदित्य चौटाला ने कहा है कि पहले परिवार अलग था। बीजेपी से चुनाव लड़े, इस बार एक साथ हैं। आईएनएलडी और चौटाला परिवार। जीत हमारी है।

प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बन रही : सैलजा

सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने मतदान के बाद कहा कि मुख्यमंत्री बनाने का फैसला हाईकमान का होता है। इस बार प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बन रही है। उन्होंने मनोहर लाल के द्वारा भाजपा में शामिल होने के ऑफर पर पलटवार करते हुए कहा कि बीजेपी मेरा स्वागत इसलिए करना चाहती है क्योंकि वह बहुत कमजोर है। लोग भाजपा के शासन से तंग आ चुके हैं।

आज बहुत बड़ा दिन : विनेश फोगाट

महिला पहलवान और जुलाना विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार विनेश फोगाट ने चरखी दादरी के एक मतदान केंद्र पर जाकर वोट डाला। इसके बाद उन्होंने कहा कि आज बहुत बड़ा दिन है। यह चुनाव हरियाणा के लोगों के लिए एक बहुत बड़ा त्योहार है। उन्होंने भी लोगों से वोट डालने की अपील की। ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने भी मतदान किया। अपना पहला वोट डालने के बाद उन्होंने कहा कि युवा होने के नाते यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हमें सबसे अनुकूल प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करना चाहिए।

आस्था को तो मुनाफाखोरी से बचा ले भाजपा सरकार : अखिलेश

» बोले सपा प्रमुख- व्रत के महंगे सामान से भक्त परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी सरकार पर जोरदार हमला बोला है। नवरात्र की शुरुआत के साथ ही पूजन सामग्री के बढ़े दामों को लेकर उनका हमला सामने आया है। सपा प्रमुख ने एक क्लिप को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए भारतीय जनता पार्टी सरकार से इस पर एक्शन लेने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि कम से कम आस्था को तो मुनाफाखोरी और महंगाई के चंगुल से बीजेपी सरकार मुक्त कराए।

दरअसल, बाजार में इस समय मखाना 1200 रुपये, काजू 900 और कपूर 650 रुपये किलो बिक रहा है। बढ़ी दरों ने लोगों को परेशान किया है। इसी पर अखिलेश यादव का ताजा हमला सामने आया है। दरअसल, गुरुवार से नवरात्र की शुरुआत हो गई है। इसके साथ ही, बाजार में महंगाई अपना असर दिखा रही है। एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दावा किया गया है कि पूजा और व्रत की थाली पर भी महंगाई की मार पड़ी है। इसी रिपोर्ट को शेयर करते हुए अखिलेश यादव ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि थोक बाजार में दाल, खाद्य तेल, सब्जी और फलों के साथ ही पूजा की थाली पर भी महंगाई की मार पड़ रही है। पिछले 15 दिनों में रोली पर 50 रुपये प्रति किलो तक की तेजी आ गई है। वहीं, व्रत के दौरान फलाहार के रूप में प्रयोग में लाया जाने वाला मखाना 400 रुपये प्रति किलो तक महंगा हो गया है।

पुराना वीडियो हो रहा वायरल

नवरात्रि के दूसरे दिन गुरुवार को समाजवादी पार्टी ने अपने नेता अखिलेश यादव के इंटरव्यू से जुड़ा पुराना वीडियो शेयर किया है। मीडिया सेल की तरफ से शेयर वीडियो के कैप्शन में लिखा गया है- समाजवादी लोग धर्म और पूजा पाठ धार्मिक त्योहारों में आस्था विश्वास रखते हैं। लेकिन भाजपा के लोग उसी आस्था, पूजा, त्योहार और धर्म एवं राष्ट्र को बेचते हैं और ड्रामा/दिखावा करते हैं। यही बुनियादी फर्क है समाजवादियों और भाजपाइयों में।

सपा मीडिया सेल मक्खी की तरह व्यवहार कर रहा : एके शर्मा

उत्तर प्रदेश में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी कई बार मर्यादाओं की सारी सीमाएं लांघ जाती है। इसी क्रम में यूपी के बिजली व नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने पेपर की एक कटिंग शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि सपा के मुखिया और उसका मीडिया सेल दोनों मक्खी की तरह व्यवहार कर रहे हैं। गंदगी देखी नहीं कि उससे चिपक गये..वाराणसी में एक कूड़ाघर पर तकनीकी कारण से एक दिन कुछ घंटों का विलंब हुआ था कूड़ा उठाने में। लेकिन यह भी सच है कि कुछ ही घंटे में उसी दिन कूड़ा उठ भी गया था।

सपा मीडिया सेल ने किया पलटवार

एके शर्मा की इस टिप्पणी पर सपा का सोशल मीडिया सेल भड़क गया। एक अखबार की कटिंग के साथ जवाब देते हुए सपा आईटी सेल की ओर से कहा गया, ये कल के अखबार की खबर है। संबंधित विभाग के खच्चर गर्दभ शूकर का कहना है कि सड़क बनाकर तैयार हो गई ,खच्चर गदहे शूकर ने एक वीडियो भी डाला है ,लेकिन उस शूकर गदहे को ये नहीं पता कि ये सड़क की ताजा ताजा तस्वीर है ,शूकरचंद वाहवाही तो लूटता है, फर्जी फोटो डालता है ,अपना बचाव करता है लेकिन सच नहीं बोलता बेचारा।

उमर अब्दुल्ला का आरोप निराधार : गृह मंत्रालय

» जम्मू-कश्मीर में सरकार की शक्तियों में कोई कटौती नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

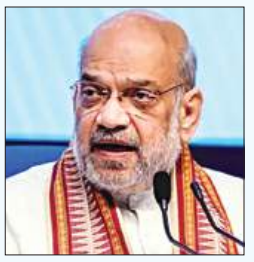

जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस बात को सिरे से खारिज कर दिया कि जम्मू-कश्मीर में जल्द ही गठित होने वाली सरकार या मुख्यमंत्री की शक्तियों में कटौती करने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि इस बात में रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री की उस टिप्पणी के बाद यह कड़ा बयान जारी किया है जिसमें उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश के नौकरशाहों से कहा था कि वे आगामी निर्वाचित सरकार को 'और अधिक कमजोर' करने के किसी भी दबाव का विरोध करें। उमर अब्दुल्ला के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए पोस्ट का जवाब देते हुए शाह के कार्यालय ने कहा, उमर अब्दुल्ला का ट्वीट भ्रामक और अटकलों से भरा है। इसमें जरा सी भी सच्चाई नहीं है क्योंकि ऐसा कोई प्रस्ताव ही नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा था, भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में हार को स्पष्ट रूप से स्वीकार कर लिया है। अन्यथा मुख्य सचिव को सरकार के संचालन नियमों में परिवर्तन कर मुख्यमंत्री/निर्वाचित सरकार की शक्तियों में कटौती कर उसे उपराज्यपाल को सौंपने का काम क्यों सौंपा गया?

आरक्षण सीमा 75 प्रतिशत करने की शरद पवार की मांग 'बौद्धिक दिवालियापन' : प्रकाश आंबेडकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। वंचित बहुजन अघाडी के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार द्वारा महाराष्ट्र में आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 75 प्रतिशत करने की मांग को लेकर शुक्रवार को उन्हें आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि पवार की मांग 'बौद्धिक दिवालियापन' का संकेत हैं। उन्होंने सवाल किया कि निजी क्षेत्र में आरक्षण का लाभ कब मिलेगा जिसमें अविभाजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस नेताओं का प्रभुत्व है।

आंबेडकर ने बातचीत में कहा, ''यह बौद्धिक दिवालियापन है। आरक्षण विकास का मुद्दा नहीं है। यह प्रतिनिधित्व से जुड़ा मामला है।'' शरद पवार ने सांगली में कहा था, ''वर्तमान आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत है। लेकिन अगर तमिलनाडु (विभिन्न समुदायों के लिए आरक्षण) 78 प्रतिशत कर सकता है तो महाराष्ट्र में 75 प्रतिशत आरक्षण क्यों नहीं किया जा सकता। 75 प्रतिशत आरक्षण की मांग नागरिकों को सुरक्षित जीवन मुहैया कराने की जिम्मेदारी से भागने के समान है। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के बारे में वीबीए प्रमुख ने कहा कि उन्हें चुनाव लड़ना चाहिए नहीं तो अब कोई उनके मराठा नेता होने पर विश्वास नहीं करेगा। आंबेडकर ने कहा, कि पूर्व में जरांगे के बारे में कहा जाता था कि वह (उप मुख्यमंत्री देवेंद्र) फडणवीस के लिए काम कर रहे हैं।

बिहार में बाढ़ पर सियासत, राजद व कांग्रेस ने सरकार को घेरा

अपने कर्तव्य से बच नहीं सकते हैं सीएम नीतीश : अखिलेश प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में बाढ़ पर सियासत जारी है। अब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने सीएम नीतीश कुमार को नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार को प्रो-एक्टिव होना चाहिए। और, बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। चुनाव के वक्त विकास का हवाला देकर डबल इंजन वालों ने वोट तो ले लिया लेकिन अब क्या हुआ। बाढ़ से हाहाकार मचा है। लोगों के पास छत नहीं है। खाने के लिए भोजन ने वह तरस रहे हैं। सरकार को उनकी मदद करनी चाहिए।

वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण करने पर अखिलेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री किसलिए होता है? यह मुख्यमंत्री का कर्तव्य है, जिससे वह बच नहीं सकते।

वायरल वीडियो पर भी कोहराम

इन सबके बीच एक वायरल वीडियो को लेकर सियासत तेज हो गई है। दरअसल वायरल वीडियो में जेडीयू सांसद सुनील कुमार दिखाई दे रहे हैं। वह बाढ़ पीड़ितों के बीच मौजूद हैं और अधिकारियों को फोन कर रहे हैं। दावा किया जा रहा कि पहले तो अधिकारी उनका फोन तक नहीं उठाते और जब फोन उठाई भी तो उनकी बातों पर गौर ही नहीं किया। इसे लेकर जेडीयू सांसद फोन पर नाराजगी जताते हुए दिख रहे हैं।

अगर वह सीएम नीतीश कुमार आपदा में काम नहीं करते हैं फिर वह किस बात का मुख्यमंत्री है? राजद प्रवक्ता ने कहा कि आज दरभंगा दौरे के बाद मुख्यमंत्री जी द्वारा बाढ़ पीड़ितों को 7-7 हजार रुपए देने की घोषणा की गई है। यह तो ऊंट के मुंह में जीरा वाली बात हो गई। जिस परिवार का सबकुछ बर्बाद हो गया है उन्हें इतनी कम राशि से क्या होगा।

राजनीतिक बयानबाजी करने तक हीं सिमटे रहे सीएम : चितरंजन

धर, राजद प्रवक्ता चितरंजन गगन ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष द्वारा बाढ़ पीड़ितों की उपेक्षा का सवाल उठाए जाने के बाद मुख्यमंत्री जी को अपनी जिम्मेदारी का ख्याल आया और दो दिन हवाई सर्वेक्षण कर औपचारिकता पूरी कर दी। पर राज्य सरकार एक भी मंत्री कभी भी बाढ़ पीड़ितों के बीच कहीं नजर नहीं आए। पटना बैठकर केवल राजनीतिक बयानबाजी करने तक हीं सिमटे रहे। बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच न सही ढंग से राहत सामग्री पहुंच रही है और न राहत-बचाव का सही ढंग से मोनिटरिंग हो रही है। सारी व्यवस्था स्थानीय निम्नवर्गीय कर्मचारियों पर छोड़ दिया गया है और उन्हें भी सीमित संसाधन ही उपलब्ध कराए गए हैं जिसकी वजह से उन कर्मचारियों को बाढ़ पीड़ितों के बीच भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

राहुल के खिलाफ निगरानी याचिका स्वीकार

» वीर सावरकर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ एसीजेएम कोर्ट में दाखिल परिवाद को खारिज करने के आदेश को चुनौती देने वाली निगरानी याचिका स्वीकार हो गई। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश हरबंश नारायण ने एसीजेएम कोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया। साथ ही आदेश दिया कि वह फिर से मामले की सुनवाई करके आदेश जारी करे।

बता दें कि याचिका दायर करके निगरानीकर्ता नृपेंद्र पांडेय ने बताया था कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो पदयात्रा के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस करके वीर विनायक दामोदर सावरकर के खिलाफ अपमानजनक बातें कही थीं। इसके बाद कोर्ट में राहुल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग वाली अर्जी दी थी। इसमें आरोप लगाया कि सोची-समझी रणनीति के तहत महाराष्ट्र के अकोला में राहुल गांधी ने 17 नवंबर 2022 को वैमनस्यता फैलाने के लिए सार्वजनिक मंच से वीर सावरकर की अमर्यादित आलोचना की।

हरियाणा के रण में अब जनता बनाएगी बांकुरा

मददाताओं के दरबार में पहुंची सियासी दलों की लड़ाई

- कांग्रेस ने ठानी तीसरी बार बीजेपी नहीं है आनी
- भाजपा ने सत्ता बचाने को खोले सारे घोड़े
- क्षेत्रीय दलों ने भी दमखम दिखाया
- अंतिम दिनों में प्रचार को मिली धार
- कांग्रेस ने 160 से अधिक रैलियां और जनसभाएं की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शनिवार को हरियाणा में वोटिंग हो गई। निर्वाचन आयोग ने चुनावों को अच्छे से संपन्न करवाने के लिए सारी तैयारी की। वहीं सियासी दलों ने भी अपने सारे विसात मजबूती से बिछाए। राज्य में सत्ता में बैठी भाजपा हो या सत्ता में आने को बेकरार कांग्रेस दोनों प्रमुख दलों ने अने सारे तीर तरकश माझे। साथ ही हर छोटी-बड़ी सियासी दलों ने अपने वादे व योजनाएं हरियाणा की जनता के सामने रखे। अब जनता वोट देकर किसी एक दल को सत्ता की कुर्सी सौंप देगी। ये फैसला 8 को आ जाएगा। वहीं गुरुवार को संपन्न हुए चनाव प्रचार में सभी दलों ने एक दूसरे पर खूब वार-पलटवार भी किए। चुनावों की घोषणा से पहले से लेकर बाद तक में कांग्रेस मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार पर हमलावर रही। सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी और युवाओं के विदेश पलायन का रहा। खुद राहुल गांधी ने विदेश जा रहे युवाओं के मुद्दे को जोर शोर से उठाया और भाजपा पर हमला बोला। वही भाजपा ने भी कांग्रेस पर दामाद व दलाल के नाम पर घेरा।

हरियाणा में दस साल से विपक्ष में बैठी कांग्रेस ने इस बार सत्ता हासिल करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकी है। प्रचार के शुरुआती दौर में पिछलने के बाद कांग्रेस ने चुनाव के अंतिम दौर में पूरी जान लगा दी। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के साथ-साथ हरियाणा के स्थानीय नेताओं की छोटी-बड़ी 160 से अधिक रैलियां और जनसभाएं हुई। पार्टी ने एक रणनीति के तहत टिकट वितरण से लेकर प्रचार में भाजपा को खुला मौका दिया और उनके फैसले के बाद ऐन मौके पर रणनीति बदलते हुए उनकी चाल की काट की। कांग्रेस हाईकमान ने सोची समझी नीति के तहत टिकट वितरण से लेकर शुरुआत में प्रचार तक में देरी बनाए रखी। प्रचार के अंतिम दिनों में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी हरियाणा में ही रहे। राहुल ने ताबड़तोड़ आठ रैलियां व रोड शो, प्रियंका गांधी ने चार रैलियां व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दो बड़ी रैलियां करके कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की। वहीं, प्रदेश के नेता पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने पूरा हरियाणा नापा। भूपेंद्र सिंह ने रोड शो के साथ 75 रैलियां और सांसद हुड्डा ने 80 विधानसभा हलकों में जनसभा और रैलियां की।

कांग्रेसी दिग्गजों ने झोंकी ताकत

कांग्रेस से कुल 24 नेताओं ने बागी होकर निर्दलीय चुनाव लड़ा। अनुशासनहीनता के चलते पार्टी ने इन सभी को छह साल के लिए बाहर का रास्ता दिखाया है। हालांकि, पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी और पूर्व विधायक रणधीर गोलन, राजीव मामू गोंदर को कांग्रेस मनाने में कामयाब रही है। हालांकि, पूर्व सीपीएस शारदा राठौर, चित्रा सरवारा, नरेश ढांडे, सज्जन ढुल, सतबीर भाणा, अनिता ढुल, वीरेंद्र घोघड़िया, दिलबाग संडील, डॉ. कपूर नरवाल, राजकुमार वाल्मीकि, रोहिता रेवड़ी, विजय जैन समेत अन्य नेता पार्टी की परेशानी बढ़ा रहे हैं। कुमारी सैलजा ने भी दर्जनभर जनसभाएं की हैं। हालांकि, वे केवल अपने समर्थकों के लिए ही प्रचार करती दिखीं। सिरसा लोकसभा के साथ साथ उन्होंने अंबाला में पड़ने वाली विधानसभा सीटों पर प्रचार किया। कांग्रेस हाईकमान की ओर से स्टार प्रचारकों की सूची में 40 दिग्गज नेताओं को शामिल किया गया था। हालांकि, इनमें से कई नेता अपने हलकों से ही बाहर नहीं निकल पाए। ओलंपियन पहलवान विनेश फोगाट जुलाना से बाहर नहीं निकल पाई, वह केवल चरखीदादरी में ही जा पाईं। इसी प्रकार, चौधरी बीरेंद्र सिंह अपने बेटे बृजेंद्र सिंह, रणदीप सुरजेवाला अपने बेटे आदित्य सुरजेवाला के कारण हलके से बाहर नहीं निकल पाए। सांसद जेपी भी अपने बेटे के लिए कलायत में प्रचार करते दिखे, हालांकि, उन्होंने हिसार संसदीय क्षेत्र में हुई रैलियों में जरूर भागीदारी की।

गुटबाजी के बीच एकजुटता का संदेश

खेमों में बंटी कांग्रेस ने एकजुटता का संदेश भी दिया है। खुद राहुल ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी सैलजा के हाथ मिलवाए। दोनों में सीएम पद की दावेदारी को लेकर टकराव चल रहा है। सैलजा इस बार विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में थी, लेकिन हाईकमान ने उनको टिकट नहीं दिया। साथ ही सैलजा के 11 समर्थकों को ही टिकट मिल पाया। इससे वह नाराज दिखी और 12 दिन तक प्रचार से दूर रहीं।

पड़ोसी राज्यों के दिग्गज हरियाणा में गरजे

हरियाणा के चुनाव में पड़ोसी राज्यों के दिग्गज नेताओं ने भी प्रचार को धार दी। इनमें हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुख्खू, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट, पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग व पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी व पूर्व प्रदेशाध्यक्ष प्रताप सिंह बाजपा ने भी हरियाणा के मतदाताओं को साधने की कोशिश की। इनके अलावा छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल भी पहुंचे।

किसान, जवान और पहलवानों पर होगी लड़ाई

किसान, जवान और पहलवानों के मुद्दों को भी कांग्रेस जमकर भुनाया। साथ ही ओपीएस, बढ़ते अपराध, महंगाई को लेकर कांग्रेस ने जमकर प्रचार किया। साथ ही पोर्टलों और संविधान बचाने के मुद्दे को भी हवा दी गई। इस बीच जातिवाद और दलितों के मुद्दे पर भाजपा ने कांग्रेस को बार-बार घेरा। कांग्रेस ने इसका तोड़ निकालते हुए संविधान बचाने व आरक्षण खत्म किए जाने के मुद्दे को एक बार फिर से हवा दी। कांग्रेस हाईकमान के नेताओं ने कांग्रेस के गढ़ में मजबूत किलेबंदी करने की कोशिश की है। भाजपा ने बड़ी रैलियों के मुकाबले कांग्रेस का फोकस रोड शो पर रहा। खुद राहुल गांधी, प्रियंका और हुड्डा पिता-पुत्र ने रणनीति के तहत रथ पर इलाकों को नापा। राहुल गांधी के कार्यक्रमों की बात करें तो राहुल गांधी ने तीन दिन हरियाणा में प्रचार किया। पहले दिन उन्होंने कांग्रेस के मजबूत गढ़ नारायणगढ़ ने अपनी विजयी संकल्प यात्रा शुरू की और थानेसर में रैली की। दूसरे दिन बहादुरगढ़ से लेकर गोहाना में रैली तक कार्यकर्ताओं में जोश भरा। इसके बाद प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस सबसे मजबूत गढ़ नूंह और महेंद्रगढ़ में राहुल गांधी पहुंचे। इसी प्रकार, प्रियंका गांधी ने हाईकमान के चहेते प्रत्याशी जुलाना में विनेश फोगाट और बवानीखेड़ा में प्रदीप नरवाल के समर्थन में रैलियां की। खरगे ने बाढ़ड़ा और हांसी में हुंकार भरी। बेल्ट के हिसाब से बात करें तो कांग्रेस हाईकमान ने जीटी बैल्ट, जाट लैंड के साथ भाजपा के गढ़ अहीरवाल में सेंध लगाने की कोशिश की।

इनेलो ने अपने पुराने गढ़ों पर किया फोकस

इनेलो ने अपने पुराने गढ़ सिरसा जिले पर पूरा फोकस किया। सिरसा, ऐलनाबाद, रानिया, डबवाली, कालांवाली, फतेहाबाद, टोहाना पर जोर रखा। इनके अलावा, जींद के इलाके नरवाला, कैथल के कलायत और नूंह जिले की सभी सीटों पर कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम किया है। प्रचार के अंतिम दिनों में अभय चौटाला ने नूंह जिले में 4 रैलियां की। इनेलो व बसपा नेताओं ने खासतौर पर हरियाणा में बढ़ती बेरोजगारी, बढ़ते अपराध और विदेशों में पलायन कर रहे युवाओं के मुद्दे पर सरकार को घेरा। इसके अलावा, नशे की चपेट में आए हरियाणा को लेकर भी अभय चौटाला लगातार हमलावर रहे हैं। जहां तक घोषणा पत्र की बात है तो इनेलो-बसपा ने भी प्रदेश की जनता के लिए बड़े वादे किए हैं। इनमें युवाओं को रोजगार से लेकर बुढ़ापा पेंशन 10 हजार रुपये करने का वादा किया है।

मायावती ने भी छानी हरियाणा की खाक

अपना वजूद बचाने की लड़ाई लड़ रहे हरियाणा के क्षेत्रीय दल इनेलो का प्रचार के दौरान अपने पुराने गढ़ पर ही फोकस रहा। अपने परंपरागत वोट बैंक को वापस लाने और बसपा के साथ गठबंधन कर दलितों का गठजोड़ बनाने के लिए इनेलो ने प्रदेशभर में 50 से अधिक रैलियां की हैं। इनमें एक रैली प्रदेशस्तरीय रही। उप प्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल की जयंती पर 25 सितंबर उचाना में हुई रैली में बसपा सुप्रीमो मायावती भी शामिल रहीं। इनके अलावा भी मायावती ने प्रदेश में पृथला, असंध और जगाधरी में रैलियां कर गठबंधन के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की। वहीं, ओमप्रकाश चौटाला ने प्रचार के आखिरी सप्ताह में रोड शो कर दर्जनभर सीटों पर गठबंधन के पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास किया। पार्टी के स्टार प्रचारक राष्ट्रीय महासचिव अभय सिंह चौटाला ही रहे। बसपा की बात करें तो पिछली बार जहां जहां बसपा के उम्मीदवार दूसरे नंबर पर रहे थे, वहां पर खुद मायावती ने रैलियां की और बसपा के काडर को जोड़ने की कोशिश की।

जजपा व एएसपी का साथ खड़ी करेगा खाट!

पिछले विधानसभा चुनाव में किंगमेकर बनी जननायक जनता पार्टी (जजपा) का फोकस अपने परंपरागत गढ़ पर ही रहा। जिन दस सीटों पर पिछली बार जीते और दूसरे या तीसरे स्थान पर रहे थे, सबसे ज्यादा जोर वहीं लगाया। इन सीटों में शाहाबाद, उचाना, नरवाना, टोहाना, उकलाना, जुलाना, बाढड़ा, गुहला-चीका, नारनौंद के अलावा 23 और सीटें रहीं। हालांकि, जजपा वर्ष 2019 की तरह प्रचार को आक्रामकता नहीं दे पाई क्योंकि खुद दुष्यंत चौटाला उचाना कलां में अपनी सीट पर फंसे रहे। इस बीच चुनाव प्रचार की कमान दुष्यंत की मां नैना चौटाला व जजपा अध्यक्ष अजय चौटाला ने संभाली। दुष्यंत सबसे ज्यादा 30 हलकों में पहुंचे। 22 हलकों में अजय व 16 में नैना पहुंचीं। उनके साथ गठबंधन में रही आजाद समाज पार्टी (एएसपी) प्रमुख चंद्रशेखर आजाद ने उचाना से उम्मीदवार दुष्यंत चौटाला, जजपा महासचिव डबवाली से उम्मीदवार दिग्विजय चौटाला के साथ कई जिलों में रैलियां और रोड शो किए। चंद्रशेखर ने भी अंबाला, गुरुग्राम, फरीदाबाद, यमुनानगर, जींद, सिरसा, कुरुक्षेत्र, हिसार जिले में ताबड़तोड़ रैलियां की हैं। इस दौरान गठबंधन के नेताओं ने किसान, जवान, महिलाओं और अग्निवीर के अपने प्रमुख उठाने के साथ भाजपा-कांग्रेस और इनेलो की घेराबंदी की। इस चुनाव में जजपा से दुष्यंत चौटाला और एएसपी से चंद्रशेखर आजाद ही बड़े चेहरे रहे। कई जगह जजपा उम्मीदवार और दुष्यंत चौटाला का जनता ने किसान आंदोलन के समय भाजपा के साथ रहने पर विरोध किया। इस बात को दुष्यंत चौटाला ने खुले मंच पर माना कि किसान आंदोलन में भाजपा के साथ खड़े रहना उनके जीवन की बड़ी गलतियों में एक थी। इसी तरह चुनाव प्रचार के दौरान दुष्यंत से सवाल करने के बाद पहलवान काला हरिगढ़ पर हमले और बाद में दुष्यंत-चंद्रशेखर के काफिले पर भी हमला हुआ।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आर्थिक अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार कौन!

दरअसल कुछ दिनों के उतार-चढ़ाव के बाद फिर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ और पांच दिन में 16 लाख करोड़ रुपये डूब गए। भारत के हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन को 30 शेयरों वाला प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स 808.65 (0.98प्रतिशत) अंकों की गिरावट के साथ 81,688.45 पर पहुंचकर बंद हुआ।

सरकार व शेयर बाजार भले ही कह रहा हो कि युद्ध का प्रभाव बाजार व व्यापार नहीं पड़ता है। पर इन सबके बीच पिछले कुछ दिनों से उपभोक्ताओं के लाखों करोड़ रुपये पानी में चले गए। अब यहां सवाल उठता है कि इतने बड़े आर्थिक नुकसान का जिम्मेदार कौन है। प्रथम दृष्टया तो दुनिया के बड़े व ताकतवर देश ही इसके लिए जिम्मेदार हैं। उन्हें अपने प्रभाव का प्रयोग करके इन युद्धों खासकर रुस-यूक्रेन, इजरायल-फलीस्तीन का रोकना चाहिए। पर अब तो ईरान के सक्रिय हो जाने से पश्चिम एशिया में ज्यादा आर्थिक उथलपुथल होने की संभावना बढ़ गई है। इससे न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक व्यवस्था भी चरमरा जाएगी। इन सबकी वजह पूरी दुनिया फिर सालों पीछे चली जाएगी। दरअसल कुछ दिनों के उतार-चढ़ाव के बाद फिर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ और पांच दिन में 16 लाख करोड़ रुपये डूब गए। भारत के हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन को 30 शेयरों वाला प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स 808.65 (0.98प्रतिशत) अंकों की गिरावट के साथ 81,688.45 पर पहुंचकर बंद हुआ।

दूसरी ओर, 50 शेयरों वाले बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी में 235.50 (0.93प्रतिशत) अंकों की नरमी आई और यह 25,014.60 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट ईरान-इस्त्राइल के बीच तनाव के चरम पर पहुंचने के बाद आई है। दूसरी ओर, चीन की ओर से प्रोत्साहन पैकेज के एलान ने भारतीय बाजार के लिए आग में घी का काम किया है। इससे पहले गुरुवार को सेंसेक्स 1,769 अंक गिर गया था, निफ्टी भी कमजोर होकर 25,000 के महत्वपूर्ण स्तर तक पहुंच गया था। 27 सितंबर से पिछले 5 कारोबारी सत्रों में, सेंसेक्स 4,148 अंक गिरा। इस दौरान बीएसई पर सूचीबद्ध शेयरों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 15.9 लाख करोड़ रुपये घटकर 461.26 लाख करोड़ रुपये रह गया। चीन की ओर से मंदी से उबरने के लिए प्रोत्साहन उपायों की घोषणा करने के बाद वैश्विक निवेशक भारत से पैसा निकालकर उसका रुख चीन की ओर कर रहे हैं। इसका नकारात्मक असर सेंसेक्स और निफ्टी पर पड़ रहा है। पिछले शुक्रवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में इस्त्राइली हवाई हमले के जवाब में ईरान की ओर से मंगलवार को इस्त्राइल की ओर लगभग 200 बैलिस्टिक मिसाइलें दागे गए। इस घटनाक्रम के बाद उभरते बाजारों में विदेशी निवेशक सतर्कता बरतने लगे। बाजार आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार तक के कारोबारी सत्र में एफआईआई ने दलाल स्ट्रीट से करीब 32,000 करोड़ रुपये की बिकवाली की। गुरुवार को एफआईआई की ओर से की गई 15,243 करोड़ रुपये की बिकवाली विदेशी निवेशकों की ओर से एक दिन में की गई सबसे अधिक बिकवाली थी। अब इन सबको देखते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था को संचालित करने वाले संस्थाओं को इस पर विशेष ध्यान देना होगा कि आने वाले समय पर इन युद्धों का अधिक प्रभाव न पड़े अन्यथ अभी मुश्किलों में चल रहे देश की आर्थिक सेहत पर और भारी मार पड़ेगी और व्यवस्था चरमरा जाएगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

निस्तारण की व्यावहारिक योजना पर हो अमल

ज्ञानेन्द्र रावत

पराली जलाने से हुए प्रदूषण से निपटने के दावे हर साल किए जाते हैं, लेकिन आज तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल सका है। यह समस्या हर साल और विकराल होती चली जा रही है। सरकारें इस बाबत तब होश में आती हैं जब इस समस्या के चलते वायु प्रदूषण में बेतहाशा बढ़ोतरी से लोगों का सांस लेना भी दूभर हो जाता है। पराली जलाने की घटनाओं में हुई कई गुणा बढ़ोतरी हालात की विकरालता का जीता-जागता सबूत है। धान की कटाई के रफ्तार पकड़ने के साथ ही पराली जलाने की घटनाओं में दैनंदिन होती बढ़ोतरी को खतरा माना जाना चाहिए। पराली जलाने से हर साल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, उत्तर प्रदेश का पश्चिमी अंचल, हरियाणा, पंजाब और किसी हद तक राजस्थान का सीमांत क्षेत्र सितम्बर से दिसम्बर के आखिर तक भयावह स्तर तक प्रभावित रहता है।

ये महीने इन क्षेत्र के लोगों के लिए मुसीबत बनकर आते हैं। इन राज्यों की सरकारों द्वारा इसे रोकने की दिशा में किए गये सारे प्रयास, अभियान और किसानों को जागरूक करने के सभी कदम बेमानी साबित हो जाते हैं। विडम्बना यह है कि यह सब तब होता है जबकि पराली जलाने पर पाबंदी है। सुप्रीम कोर्ट भी इस बाबत गंभीर चिंता जाहिर कर चुकी है कि यह कैसा प्रबंधन है कि प्रतिबंध के बावजूद राज्यों में पराली जलायी जा रही है। हालात इस बात के सबूत हैं कि दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता प्रबंधन अधिनियम की अवहेलना हुई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग इस पर नियंत्रण कायम करने में नाकाम रहा है। क्योंकि एक भी ऐसी मिसाल नहीं मिली है कि आयोग ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन अधिनियम के तहत एक भी दंडात्मक कार्रवाई की हो। हालात तो यही इशारा करते हैं कि पराली जलाने के खिलाफ निषेधात्मक निर्देश केवल कागजों तक ही सीमित रहे हैं। गौरतलब है कि राजधानी क्षेत्र में दुनिया के दस फीसदी अस्थमा से पीड़ित लोग रहते हैं। नतीजतन पहले से ही अस्थमा से परेशान लोगों के लिए बढ़ता वायु प्रदूषण जानलेवा बन जाता है।

वैसे भी मौसम में आ रहे बदलाव के चलते प्रदूषण बढ़ रहा है। फिर वहीं, पराली जलाये जाने से पीएम के स्तर में बढ़ोतरी चिंताजनक है। बीते 5 सालों के आंकड़े बताते हैं कि पराली जलाने के 75 फीसदी मामले अकेले पंजाब में ही हुए हैं। इस बार पंजाब में धान की

कटाई के बाद 200 लाख टन पराली बचेगी, जबकि राज्य का लक्ष्य 19.52 लाख टन पराली के प्रबंधन का ही है। जाहिर है शेष पराली प्रबंधन के अभाव में जलाई ही जायेगी। ऐसे हालात में एसोचेम का कहना सही है कि स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करना केन्द्र, राज्य, समाज और लोगों की संयुक्त जिम्मेदारी है। लेकिन इसमें हम विफल रहे हैं। खासतौर पर जब सर्दियों में आसमान धुंध और विषाक्त गैसों से घिरा होता है, के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे साल के लिए वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए एक समन्वित कार्य योजना बनायी जाये। दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गयी थी, जिसमें कहा गया था कि पड़ोसी राज्यों के किसानों द्वारा पराली जलाये जाने से हर साल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इस दौरान वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। इस पर लगाम लगाई जाये और पराली से कंपोस्ट खाद बनाये जाने का आदेश दिया जाये। ऐसा करने से जहां खाद बनाने से बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगेगी, वहीं दूसरी ओर, किसान इस खाद का उपयोग कर बेहतर और रसायनविहीन पैदावार हासिल कर सकेंगे। चूंकि, मनरेगा पंचायत स्तर की सरकारी योजना है, इसलिए खाद बनाने की प्रक्रिया को मनरेगा से जोड़ा जाये। लेकिन उस पर कोई ध्यान ही नहीं दिया गया। बेशक, वायु प्रदूषण में पराली की अहम भूमिका है, लेकिन सड़कों की धूल, फैले कूड़े, वाहनों की धूल और बायोमास का भी नकारात्मक रोल होना है। इससे वातावरण में ज़हर के कॉकटेल का निर्माण होता है। वातावरण में सबसे अधिक घातक अजैविक एयरोसेल का निर्माण, बिजलीघरों, उद्योगों, ट्रैफिक से निकलने वाले सल्फ्यूरिक एसिड और नाइट्रोजन आक्साइड तथा कृषि कार्य से पैदा होने वाले अमोनिया के मेल से होता है। दरअसल, 23 फीसदी वायु प्रदूषण की वजह यह कॉकटेल ही है।

दिल्ली में वायु प्रदूषण, धुंध का 20 फीसदी उत्सर्जन दिल्ली के वाहनों से, 60 फीसदी दिल्ली के बाहर के वाहनों से तथा 20 फीसदी के आसपास बायोमास जलाने से होता है। आस्ट्रिया स्थित इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फार एप्लायड सिस्टम एनालीसिस और नीरी के शोध के अनुसार दिल्ली में प्रदूषित हवा के लिए 40 फीसदी दिल्लीवासी और 60 फीसदी पड़ोसी राज्य जिम्मेदार हैं। डब्ल्यूएचओ शोध के अनुसार देश की हवा दिनोंदिन जहरीली होती जा रही है। इसलिए पराली जलाने पर किसानों को कोसने से कुछ नहीं होने वाला। इसके लिए सरकारी प्रशासनिक तंत्र की निष्क्रियता पूरी तरह जिम्मेदार है।

क्या अब खामेनेई हैं इस्त्राइल के निशाने पर

पुष्परंजन

इस्त्राइली रक्षा बल (आईडीएफ) और मोसाद का मनोबल इस समय ऊंचा है। 58 दिनों के भीतर मध्य पूर्व में दो 'शक्तिशाली' नेताओं, हमास नेता इस्माइल हानिया और हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्लाह को खत्म करने के बाद, सवाल यह है कि इस्त्राइल का अगला लक्ष्य कौन होगा? इस्त्राइल ने संकेत दिया है कि वह नफ्ताली बेनेट के 'ऑक्टोपस सिद्धांत' का पालन कर रहा है, जो हिजबुल्ला या हमास जैसी छाया शक्तियों से लड़ने की बजाय, ईरान के साथ अब सीधा भिड़ना चाहता है। अर्थात, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई अब निशाने पर हैं। नसरल्लाह की हत्या के बाद, ईरानी अधिकारियों ने खामेनेई को देश के अंदर एक अज्ञात सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया था, जहां सुरक्षा के कड़े उपाय किए गए हैं।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इस्त्राइल ने कहा कि हम आतंकवादी समूहों को समर्थन देने वालों को पाताल से खोजकर निकाल लेंगे। 30 जुलाई, 2024 को याद कीजिये, जब इस्त्राइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर हमला किया, जिसमें हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडरों में से एक, फुआद शुक्र की मौत हो गई। कुछ घंटों बाद, एक विस्फोट में हमास के शीर्ष राजनीतिक नेता इस्माइल हनिया की तेहरान में मौत हो गई, जहां वे ईरान के नए राष्ट्रपति के उद्घाटन समारोह में भाग ले रहे थे। इस्त्राइल ने पिछले हफ्ते दहियाह में एक आवासीय इमारत के नीचे समूह के भूमिगत मुख्यालय पर 'लक्षित हमले' में हिजबुल्ला प्रमुख सैय्यद हसन नसरल्लाह को मार डाला था। नसरल्लाह, जिन्होंने तीन दशकों से अधिक समय तक हिजबुल्ला का नेतृत्व किया था, खामेनेई के खास और ईरान की क्षेत्रीय प्रॉक्सी रणनीति में एक प्रमुख चेहरा थे। हमास नेता इस्माइल हानिया के बाद हसन नसरल्लाह इन दो ताकतवर चेहरों के बूते ईरान की लीडरशिप इस्त्राइल को सबक सिखाने का दम भरती थी। ईरान, जिसने नसरल्लाह की मौत के बाद बदला लेने की कसम खाई थी, ने मंगलवार रात को इस्त्राइल पर लगभग 200 बैलेस्टिक मिसाइलें दागीं।

रॉयटर्स के अनुसार, 'ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि मिसाइल हमला हाल ही में लेबनान और गाजा में नेताओं की इस्त्राइली हत्याओं और ईरान समर्थित सशस्त्र समूह हिजबुल्ला के खिलाफ आक्रामकता का जवाब था।' लेकिन, इसे फुस्स हमला माना जाये, जिसमें इस्त्राइल के जान-माल की हानि लगभग नहीं के बराबर हुई। 85 वर्षीय खामेनेई 1989 से हिजबुल्ला का समर्थन कर रहे हैं। बेरूत में इस्त्राइल के हमले के बाद उन्होंने कहा, 'क्षेत्र में सभी प्रतिरोधक ताकतें हिजबुल्ला के साथ खड़ी हैं।' खामेनेई के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए, नेतन्याहू ने कहा, 'आपके दोस्त ऐसे ही नारे लगाते थे, अब देखिए वे कहां हैं।' इस्त्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि ईरान को इस्त्राइल पर मिसाइल हमले के लिए परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने सिनवार, डेफ और नसरल्लाह का हवाला देते हुए दावा किया कि जो प्रतिद्वंद्वी इस्त्राइल के सेल्फ डिफेन्स को कम आंक रहे हैं, वो परिणाम भुगतने को तैयार रहें। दिलचस्प यह है, ईरान के सर्वोच्च नेता अब रेवोल्यूनेशनरी गार्ड के रहमोकरम पर है। कभी अयातुल्ला अली खामेनेई की मर्जी के बगैर ईरान का पत्ता नहीं हिलता था। अब उन्हें डर है कि कोई 'विभीषण', मोसाद को उनके ठिकाने की सूचना न लीक कर दे। सिनवार, डेफ, हानिया और नसरल्लाह की हत्याएं सत्ता के गलियारे में सक्रिय 'विभीषणों' की सूचनाओं की वजह से हुई थी।

अयातुल्ला अली खामेनेई पर जानलेवा हमला पहले हो चुका है। 27 जून 1981 को मुजाहिदीन-ए-खल्क द्वारा की गई हत्या के प्रयास में वो बाल-बाल बच चुके हैं, जब टेप रिकॉर्डर में छिपा हुआ एक बम, उनके बगल में फट गया। अयातुल्ला अली खामेनेई के इलाज में कई महीने लग गए, तब से उनका दाहिना हाथ काम नहीं कर पाता। ईरानी मीडिया ने शनिवार को बताया कि लेबनान की राजधानी के बाहर इस्त्राइली हमलों में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के डिप्टी कमांडर अब्बास निलफोरुशन की भी मौत हो गई। सर्वोच्च नेता की सुरक्षा के वास्ते जो उपकरण लगाए गए हैं, उनकी सबसे पहले जांच की गई। क्या रूस और चीन की खुफिया एजेंसियां अयातुल्ला अली खामेनेई की सुरक्षा को कोऑर्डिनेट कर रही हैं? इस सवाल पर बिलकुल चुप्पी है। अब जब सर्वोच्च नेता के ही जान के लाले पड़े हुए हों, तो ईरान इस्त्राइल से बदला क्या लेगा?

ईरान ने हिजबुल्ला और हुथी लड़ाकों का इस्तेमाल जिस तरह से किया है, उससे कई सवाल खड़े होते हैं। भूमध्यसागर के पूर्वी तट पर स्थित एक संकीर्ण पट्टी पर अवस्थित लेबनान, दुनिया के छोटे मुल्कों में से एक है। इस समय आप राजधानी बेरूत चाहकर भी नहीं जा सकते। कभी लेबनान, 'मध्य-पूर्व का स्विट्जरलैंड' माना जाता था। अब लेबनान एक 'फेल्ड स्टेट' है। यह भी दिलचस्प है कि युद्ध इस्त्राइल और लेबनान के बीच नहीं हो रही, बल्कि हिजबुल्ला एक राष्ट्रीय फोर्स के रूप में एक्ट कर रहा है। यह सब ईरान की शह पर हुआ। लेबनानी सशस्त्र बलों (एलएएफ) में 72,000 सक्रिय कर्मी हैं, जिनमें वायु सेना में 1,100 और नौसेना में 1,000 शामिल हैं। 'एलएएफ' को हिजबुल्ला की तुलना में कम शक्तिशाली और प्रभावशाली माना जाता है। हिजबुल्ला के पास 20,000 सक्रिय लड़ाके और 20,000 रिजर्व हैं। उसे ईरान से रॉकेट और ड्रोन सहित उन्नत हथियार मिलते हैं। आप कह सकते हैं, हिजबुल्ला राजनीतिक रूप से भले सत्ता में नहीं है, लेकिन पूरा देश उसके नियंत्रण में है।

नवरात्रि

इन प्राचीन देवी माता मंदिरों के करें दर्शन

3 अक्तूबर 2024 से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है, जिसका समापन 11 अक्तूबर को नवमी तिथि पर होगा। नौ दिवसीय नवरात्रि का पर्व माता दुर्गा की अराधना का पर्व है। मान्यता है कि नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा धरती पर आती हैं। इस मौके पर नौ दिवसीय विशेष पूजा का आयोजन होता है। देवी माता मंदिरों में भव्य अनुष्ठान होते हैं। इस दौरान अगर आप माता दुर्गा के स्वरूपों के दर्शन करना चाहते हैं तो प्रसिद्ध देवी माता मंदिरों की ओर जा सकते हैं। उत्तर प्रदेश में कई प्रसिद्ध और प्राचीन देवी माता मंदिर हैं। इसके अलावा पूरे देश में 52 शक्तिपीठ हैं, जिसमें से कुछ उत्तर प्रदेश में स्थित हैं। शक्तिपीठ उस पवित्र स्थान को कहते हैं, जहां माता सती के अंग गिरे थे। उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं और देवी भक्त हैं तो शारदीय नवरात्रि के मौके पर प्राचीन दुर्गा माता मंदिरों और शक्तिपीठों के दर्शन के लिए जा सकते हैं।

देवीपाटन शक्तिपीठ, बलरामपुर

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में देवीपाटन शक्तिपीठ है। माना जाता है कि यहां माता सती का बायां स्कन्ध गिरा था। कुछ लोगों का कहना है कि यहां माता सती का पाटन वस्त्र गिरा था। इस शक्तिपीठ में एक अखंड ज्योति जल रही है। मान्यता है कि त्रेता युग से लगातार यहां अखंड ज्योति जल रही है। एक मान्यता यह भी है कि भगवती सीता ने इस स्थल पर पाताल प्रवेश किया था। इस कारण पहले यह पातालेश्वरी कहलाया और बाद में यह पाटेश्वरी हो गया लेकिन सती प्रकरण ही अधिक प्रमाणिक है और शक्ति के आराधना स्थल होने के कारण यह शक्तिपीठ प्रसिद्ध है।

विंध्याचल माता मंदिर, मिर्जापुर

वाराणसी के निकटतम जिले मिर्जापुर में देवी का प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर है। विंध्याचल माता मंदिर के नाम से मशहूर इस स्थान को 51 शक्तिपीठों में प्रमुख माना जाता है। हालांकि यहां माता सती के शरीर को कोई अंग नहीं गिरा है। लेकिन मान्यता है कि देवी मां इस स्थान पर सशरीर निवास करती हैं। विंध्याचल, वाराणसी से लगभग 70 किमी की दूरी पर मौजूद है। ऐसा कहा जाता है कि देवी ने महिषासुर राक्षस का वध करने के बाद विध्यांचल को रहने के लिए चुना था। विध्यांचल के मंदिरों में हजारों भक्तों की भीड़ देखी जा सकती है और ये संख्या नवरात्रों के दिनों में तो और बढ़ जाती है।

तरकुलहा माता मंदिर, गोरखपुर

गोरखपुर जिले में माता का एक चमत्कारी मंदिर है, जिसे तरकुलहा मंदिर के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब कोई अंग्रेज मां के मंदिर के पास से गुजरता था तो क्रांतिकारी बंधू सिंह उसका सिर काटकर देवी मां को समर्पित करता था। अंग्रेजों ने बंधू सिंह को पकड़कर सार्वजनिक फांसी दी लेकिन हर बार फांसी का फंदा टूट जाता था। यह 6 बार हुआ जिसपर जल्लाद ने बंधू सिंह से गिड़गिड़ाते हुए कहा कि अगर उन्हें फांसी नहीं दी तो अंग्रेज जल्लाद को मार देंगे। इस पर बंधू सिंह ने माता से प्रार्थना की और 7वीं बार में उन्हें फांसी हो गई।

विशालाक्षी शक्तिपीठ, वाराणसी

भगवान शिव की प्रिय नगरी बनारस के मणिकर्णिका घाट पर अलौकिक शक्तिपीठ है, जहां माता सती की मणिकर्णिका गिरी थी। यहां माता के विशालाक्षी और मणिकर्णी स्वरूप की पूजा होती है। विशाल नेत्रों वाली मां विशालाक्षी का यह स्थान मां सती के 51 शक्ति पीठों में से भी एक है। इनका महत्व कांची की मां (कृपा दृष्टा) कामाक्षी और मदुरै की (मत्स्य नेत्री) मीनाक्षी के समान है। स्कंद पुराण कथा के अनुसार जब ऋषि व्यास को वाराणसी में कोई भी भोजन अर्पण नहीं कर रहा था, तब विशालाक्षी एक गृहिणी की भूमिका में प्रकट हुईं और ऋषि व्यास को भोजन दिया। विशालाक्षी की भूमिका बिलकुल अन्नपूर्णा के समान थी।

हंसना मना है

सिपाही-घटना स्थल से थानेदार को फोन लगाकर बोला, जनाब यहां एक औरत ने अपने पति को गोली मार दी! थानेदार-क्यों? सिपाही- क्योंकि उसका पति पोछा लगे हुए गीले फर्श पर चलने लगा था! थानेदार- तुमने गिरफ्तार कर लिया उसको! सिपाही- नहीं साहब, पोछा अभी सूखा नही है.!

एक मुर्गी के बच्चे ने अपनी मां से पूछा? मां- इंसान पैदा होते ही अपना नाम रख लेते हैं, हमलोग अपना नाम क्यों नहीं रखते, मां ने कहां-बेटा, अपनी बिरादरी में नाम मरने के बाद रखा जाता है! चिकेन टिक्का, चिकेन चिली, चिकेन तंदूरी, चिकेन मलाई, चिकेन कढ़ाई..

परीक्षा में एक लड़की ने बगल वाली सीट पर बैठे लड़के से पूछा कि यमक अलंकार की परिभाषा बताओ एक उदाहरण के साथ, लड़का बोला- जब एक ही शब्द दो बार आवे और दोनों शब्दों का अर्थ भिन्न भिन्न हो तो उसे यमक अलंकार कहते हैं, जैसे- तुम रूठा ना करो, मेरी जान! मेरी जान निकल जाती है। लड़के को नोबल पुरस्कार देने पर विचार किया जा रहा है.?

लड़का- तुम लड़कियां विदाई के टाइम इतना रोती क्यों हो? लड़की- जब तू जाएगा ना, बिना तनख्वाह के दूसरे के घर का काम करने तो तू भी रोयेगा।

कहानी | कठिनाइयों में शांत रहना, वास्तव में शांति है

एक राजा को चित्रकला से बहुत प्रेम था। एक बार उसने घोषणा की कि जो कोई भी चित्रकार उसे एक ऐसा चित्र बना कर देगा जो शांति को दर्शाता हो, तो वह उसे मुंह मांगा पुरस्कार देगा। चित्रकार अपने-अपने चित्र लेकर महल पहुंचे। राजा ने एक-एक करके सभी चित्रों को देखा और उनमें से दो चित्रों को अलग रखवा दिया। पहला चित्र एक अति सुंदर शांत झील का था। उस झील के आस-पास विद्यमान हिमखंडों की छवि उस पर ऐसे उभर रही थी मानो कोई दर्पण रखा हो। ऊपर की ओर नीला आसमान था जिसमें सफ़ेद बादल तैर रहे थे। जो कोई भी देखता वह यही कहता कि वास्तव में यही शांति का एक मात्र प्रतीक है। दूसरे चित्र में भी पहाड़ थे, परंतु वे बिलकुल सूखे, बेजान, वीरान थे और इन पहाड़ों के ऊपर घने गरजते बादल थे जिनमें बिजलियां चमक रहीं थीं, घनघोर वर्षा होने से नदी उफान पर थी, तेज हवाओं से पेड़ हिल रहे थे, और झरने ने रौद्र रूप धारण कर रखा था। इसे जो कोई भी देखता यही कहता इसमें तो बस अशांति ही अशांति है। सभी को लगा पहले चित्र को ही पुरस्कार मिलेगा। तभी राजा अपने सिंहासन से उठे और घोषणा की कि दूसरा चित्र बनाने वाले चित्रकार को वह मुंह मांगा पुरस्कार देंगे। हर कोई आश्चर्य में था! पहला बोला- लेकिन महाराज उस चित्र में ऐसा क्या है जो आपने उसे पुरस्कार देने का फैसला लिया, जबकि हर कोई यही कह रहा है कि मेरा चित्र ही शांति को दर्शाने के लिए सर्वश्रेष्ठ है? आओ मेरे साथ! राजा ने पहले चित्रकार को अपने साथ चलने के लिए कहा। दूसरे चित्र के समक्ष पहुंच कर राजा बोले- झरने के बायीं ओर हवा से एक ओर झुके इस वृक्ष को देखो। उसकी डाली पर बने उस घोंसले को देखो, देखो कैसे एक चिड़िया इतनी कोमलता से, इतने शांत भाव व प्रेमपूर्वक अपने बच्चों को भोजन करा रही है। फिर राजा ने वहां उपस्थित सभी लोगों को समझाया कि शांत होने का अर्थ यह नहीं है कि आप ऐसी स्थिति में हों जहां कोई शोर नहीं हो, कोई समस्या नहीं हो, जहां कड़ी मेहनत नहीं हो, जहां आपकी परीक्षा नहीं हो। शांत होने का सही अर्थ है कि आप हर तरह की अव्यवस्था, अशांति, अराजकता के बीच हों और फिर भी आप शांत रहें, अपने काम पर केंद्रित रहें अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहें। अब सभी समझ चुके थे कि दूसरे चित्र को राजा ने क्यों चुना है। हर कोई अपने जीवन में शांति चाहता है। परंतु प्रायः हम शांति को कोई बाहरी वस्तु समझ लेते हैं, और उसे दूरस्थ स्थलों में ढूंढते हैं, जबकि शांति पूरी तरह से हमारे मन के भीतरी चेतना है। और सत्य यही है कि सभी दुःख-दर्दों, कष्टों और कठिनाइयों के बीच भी शांत रहना ही वास्तव में शांति है।

7 अंतर खोजें

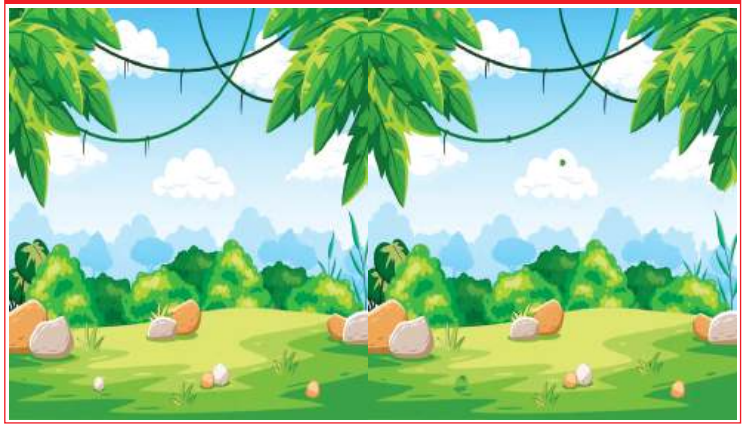

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त लाभदायक रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुसंगति से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

वृषभ अध्यात्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का मौका हाथ आएगा। सुख-शांति बने रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल चलेगा। मित्रों का सहयोग लाभ में वृद्धि करेगा।

मिथुन रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। प्रसन्नता तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा।

कर्क व्यवसाय-व्यापार से मनोनुकूल लाभ होगा। मेहनत अधिक होगी। समय पर बाहर से धन नहीं मिलने से निराशा रहेगी। हंसी-मजाक करने से बचें। थकान रहेगी।

सिंह सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कन्या पुराने साथियों तथा रिश्तेदारों से मुलाकात सुखद रहेगी। अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। किसी नए उपक्रम को प्रारंभ करने पर विचार होगा।

तुला कारोबार से लाभ होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। अज्ञात भय रहेगा। अनहोनी की आशंका रहेगी।

वृश्चिक आज फालतू धन खर्च होगा। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई भी निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

धनु डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नए काम हाथ में आएंगे। कारोबारी वृद्धि से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

मकर योजना फलीभूत होगी। कार्यपद्धति में सुधार होगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। मेहनत सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

कुम्भ राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

मीन नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। नए काम मिल सकते हैं।

रकुलप्रीत ने तेलंगाना सरकार के मंत्री को दिया मुंहतोड़ जवाब

तेलंगाना की मंत्री कोंडा सुरेखा ने हाल ही में समंथा रुथ प्रभु समेत कई अभिनेत्रियों को लेकर दिए बयान में पर सोशल मीडिया जवाब दिया है। कोंडा सुरेखा के समांथा और नागा चैतन्य के तलाक के मुद्दे पर दिए बयान पर रकुल प्रीत सिंह की प्रतिक्रिया आई है। रकुल ने अपना जवाब देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है। उन्होंने कहा है कि मेरा, समंथा और कुछ अन्य अभिनेत्रियों के नाम का इस्तेमाल राजनीतिक मामलों में न लें।

रकुल प्रीत सिंह ने सोशल मीडिया पर इस मामले का जवाब दिया। उन्होंने कहा, तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री पूरी दुनिया में अपनी क्रिएटिविटी और प्रोफेशनलिज्म के लिए जानी जाती है। मेरी इस इंडस्ट्री में बहुत अच्छी यात्रा रही है। मैं अभी भी तेलुगू सिनेमा से जुड़ी हुई हूं। मेरा किसी भी व्यक्ति/राजनीतिक दल से कोई लेना-देना नहीं है। मैं निवेदन करती हूं कि राजनीतिक लाभ के लिए मेरे नाम का गलत तरीके से इस्तेमाल करना बंद करें। कलाकारों को राजनीतिक झगड़ों और विवादों से दूर रखा जाना चाहिए। उनके नाम का इस्तेमाल काल्पनिक कहानियों से जोड़कर राजनीतिक लाभ के लिए नहीं करें।

दरअसल, एक बयान में कोंडा सुरेखा ने कहा वीआरएस नेता केटीआर पर ड्रग से जुड़ी पार्टियों में शामिल होने का आरोप लगाया और दावा किया कि नागा चैतन्य और समांथा रुथ प्रभु के तलाक के लिए वह जिम्मेदार है। सुरेखा ने आरोप लगाया कि केटीआर अभिनेत्रियों के फोन टैप करते थे और उन्हें ब्लैकमेल करते थे। मंत्री ने कहा, यह केटी रामा राव ही हैं जिनकी वजह से अभिनेत्री सामंथा का तलाक हुआ... वह उस समय मंत्री थे और अभिनेत्रियों के फोन टैप करते थे और फिर उन्हें ब्लैकमेल करने के लिए उनकी कमजोरियां ढूंढते थे... वह उन्हें ड्रग एडिक्ट बनाते थे और फिर ऐसा करते थे... यह सब जानते हैं, सामंथा, नागा चैतन्य , उनका परिवार... सब जानते हैं कि ऐसा कुछ हुआ था।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे अपनी फिल्मों की सफलता पर गर्व है : राव

राजकुमार राव अपनी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की रिलीज की तैयारी में हैं। इससे पहले राजकुमार राव स्त्री 2 की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इस फिल्म के गाने और डायलॉग प्रशंसकों को बहुत पसंद आ रहे हैं। फिल्म की सफलता को लेकर राजकुमार राव ने खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि फिल्म का हिस्सा होने के नाते मुझे गर्व है कि फिल्म लोगों को पसंद आई है। स्त्री 2 में फिल्म की सफलता को लेकर राजकुमार राव ने कहा, एक अभिनेता के तौर पर मेरे लिए जरूरी है कि फिल्म अच्छी होनी चाहिए। मैं उस फिल्म का हिस्सा हूं, जिसके लिए प्रशंसकों को बहुत प्यार मिला है। मेरी फिल्मों को देखने वाले भले ही कम लोग हों, लेकिन उस फिल्म को देखकर उन लोगों को भी मजा आना चाहिए। मुझे अपनी फिल्मों पर गर्व है।

राजकुमार राव ने कहा कि फिल्म अच्छी है तो लोग इसे देखना पसंद करेंगे। बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म अच्छी चलेगी। एक अभिनेता के तौर पर आपको पता चलता है कि आपने एक अच्छा अभिनय फिल्म में किया है। फिल्म बहुत ही अच्छी है और अब लोगों के बीच अपनी खास जगह बना चुकी है। इस फिल्म को उन्होंने काफी एंजॉय किया है। राजकुमार राव ने कहा, कभी-कभी वो समय होता है जब फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फिल्म अच्छा नहीं कर पाती है। ट्रैड फिल्म का जिक्र करते हुए राजकुमार ने कहा कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर इतनी खास नहीं रही लेकिन मेरे लिए बहुत खास है। आगामी फिल्मों की बात करें तो राजकुमार राव की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 11 अक्टूबर पर बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली है।

ब्रेकअप को लेकर फैंस की खरी-खोटी सुनकर दुखी होती हैं आशा नेगी

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

आशा नेगी टीवी की जानी मानी अभिनेत्री हैं। आशा अब भले ही स्क्रीन पर कम दिखती हैं, लेकिन एक समय ऐसा था, जब बड़ी तादाद में लोग अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए बेताब रहते थे। आशा को टीवी शो पवित्र रिश्ता से लोकप्रियता हासिल हुई थी। इस शो में उनका नाम ऋत्विक धनजानी के साथ भी जुड़ा था। फैंस को दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री भी काफी पसंद आई थी। अब हाल ही में, आशा नेगी ने ऋत्विक के साथ अपने ब्रेकअप पर चुप्पी तोड़ी है। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा है।

हाल ही में, हाउटरफ्लाई से बातचीत में आशा ने कहा कि एक ही टेलीविजन पर साथ काम करने वाले कलाकार अक्सर एक-दूसरे को डेट करते हैं। अभिनेत्री ने कहा, लोगों को आपकी केमिस्ट्री पसंद आती है, इसलिए ऐसा होता है। इसलिए, मुझे लगता है, टेलीविजन में लोग बहुत जल्दी एक-दूसरे के साथ जुड़ जाते हैं। इंटरव्यू में आगे जब अभिनेत्री से पूछा गया कि ऋत्विक के साथ उनके ब्रेकअप से वह कैसे उबरीं। इस का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि सब कुछ संभालना मुश्किल होता है क्योंकि इसमें परिवार शामिल होते हैं। इस बात में कोई शक नहीं है, ब्रेकअप के बाद दुख बहुत होता है और फिर आपको सब कुछ संभालना भी पड़ता है।

फैंस की प्रतिक्रिया पर आशा नेगी ने कहा, अगर आप एक कलाकार हैं, तो बहुत प्रशंसक क्लब होते हैं... मुझे अभी भी बहुत सारी गालियां मिलती हैं और उन्हें भी मिलती हैं। बता दें कि आशा और ऋत्विक अपने रिश्ते के बारे में बहुत मुखर थे। इसलिए जब वे अलग हुए, तो यह उनके प्रशंसकों के लिए एक झटका था। आशा ने कहा कि वह पिछले कुछ समय से सिंगल हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि जब भी वह किसी को डेट करेंगी तो अपने फैंस को जरूर बताएंगी।

इस पेड़ को है हसीनाओं से नफरत देखते ही करता है अजीब हरकत!

सोशल मीडिया पर आए दिन प्रैंक वीडियोज खूब वायरल होते हैं। किसी वीडियो में कोई अमीर लड़का भिखारी बनकर दूसरे लोगों से मदद मांगता है, तो किसी में कोई लड़की चलते राह लड़कों को प्रपोज करती है। फिर जैसे ही उनका मकसद पूरा हो जाता है, वैसे ही ये लोग अपनी सच्चाई बतला देते हैं। लेकिन कई बार प्रैंक का अंदाज इतना ज्यादा खतरनाक हो जाता है कि लोग डर कर इधर-उधर भागने लग जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही वीडियो के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें एक पेड़ (एक आदमी ने पेड़ का रुप ले लिया है) खूबसूरत हसीनाओं को डराता हुआ नजर आ रहा है। ऐसा लगता है कि उसे इन लड़कियों से नफरत है, जिन्हें देखते ही वो कुछ ऐसी हरकत करने लगता है कि वो डर से चीख पड़ती हैं। ये शख्स अक्सर पेड़ बनकर सड़क किनारे खड़ा हो जाता है और लड़कियों को देखते ही उनकी तरफ चलने लगता है, जिससे डर के मारे चीखने लग जाती हैं। वायरल हो रहे इस वीडियो में अलग-अलग समय पर लड़कियों का ग्रुप सड़क से गुजर रहा होता है। साइड में एक शख्स पेड़ बनकर खड़ा रहता है। लड़कियां जैसे ही पास आती हैं, वो उन पर डराने के लिए ऐसे टूट पड़ता है, मानो इस शख्स को लड़कियों से नफरत हो। शख्स की हरकत से कई लड़कियां बहुत ज्यादा डर जाती हैं और चीखने लग जाती हैं। हालांकि, गनीमत ये रही कि इन लड़कियों ने शख्स की पिटाई नहीं की। यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। अब तक 1 करोड़ 7 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है। हजारों लोगों ने जहां वीडियो को शेयर किया है, जबकि 13 सौ के करीब कमेंट्स आए हैं। वीडियो पर कमेंट करते हुए यूजर ने लिखा है कि ये प्रैंक खतरनाक है। एक महिला पीछे खड़ी कार से टकरा गई। अगर ये कार चल रही होती तो वो दुर्घटना का शिकार हो जाती, फिर क्या होता? ऐसे स्टंट से बचना चाहिए, भले ही यह एक शरारत हो। टायलर ने लिखा है कि महिलाओं की जीवित रहने की प्रवृत्ति वास्तव में बस एक जगह खड़े होकर चिल्लाने की है। ये चिल्लाने के अलावा कुछ नहीं करतीं। तो एक यूजर ने प्रैंक में नजर आ रहीं लड़कियों के ड्रेस पर सवाल उठाया है और लिखा है कि कपड़ों का क्या हुआ? क्या अब कोई भी ढंग के कपड़े नहीं पहनता?

अजब-गजब | कम लोग जानते हैं इस देश की अजीबो-गरीब प्रथा

अनूठी थीं मिस्र के लोगों की दफन की रस्में

प्राचीन मिस्र के लोग अपने सांसारिक जीवन के समान ही परलोक में विश्वास करते थे। यही वजह थी कि उनकी अंतिम संस्कार की रस्में उनकी लाइफस्टाइल की तरह की खास हुआ करती थी। ममीकरण में यात्रा के लिए शरीर को सुरक्षित रखा जाता था, और कब्रों को आराम और समृद्धि के लिए सामानों से भरा जाता था। इनमें कब्र से लेकर पिरामिड सभी की अपनी अपनी अहमियत हुआ करती थी। मिस्र की पुरानी सभ्यता के बारे में सुनते ही हमें डरावनी ममी और सुंदर पिरामिडों की याद आती है। पर ममी से संबंधी कम ही बातें आम लोग जानते हैं। मिस्र के दफन की रस्में धर्म, संस्कृति और रहस्य का एक चौंकाने वाला संयोग हैं। ये रीति-रिवाज सिर्फ शवों को सुरक्षित रखने के बारे में नहीं थे, बल्कि मृत्यु के बाद के जीवन में सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के बारे में थे। इसमें ममीकरण में जटिल प्रक्रियाएं शामिल थीं। ये पूरी रस्में मिस्र की सभ्यता को ही दुनिया में बहुत ही अलग और खास तरह का बना दती है। मिस्र अमीरों और आम लोगों को अलग तरह से दफनाया जाता था, कुछ बातें पूरी तरह से सबमें कायम थीं। फिरौन के पास भव्य पिरामिड थे, जबकि आम लोगों के पास सरल कब्रें थीं। कब्रों में भी अमीरों और गरीबों के बीचका अंतर साफ झलकता था। पिरामिड शक्ति और देवताओं से

जुड़ाव का प्रतीक थे, जबकि अंत्येष्टि ग्रंथ मार्गदर्शन और सुरक्षा प्रदान करते थे। प्राचीन मिस्र के लोगों में मृत्यु के बाद के जीवन के बारे में दृढ़ विश्वास था। इन विश्वासों ने उनके दफन अनुष्ठानों को आकार दिया, जिससे मृतक के परलोक में सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित हुआ।। मिस्र के लोग परलोक में विश्वास करते थे, जहां मृतक अपने सांसारिक जीवन के समान जीवन जीते थे और मृतक शाश्वत शांति का आनंद ले सकता था। यह साधारण सी कब्र से लेकर पिरामिड तक सभी में झलकता है। ममीकरण मिस्र के दफन अनुष्ठानों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। यह शरीर को परलोक के लिए सुरक्षित रखता था, जिससे यह सुनिश्चित होता था कि मृतक इसका फिर से इस्तेमाल कर सके। इस काम को पूरा होने में लगभग 70 दिन लगते थे। इसमें अंदर के अंगों को निकाल कर मर्तबान में रख लिया जाता था। माना जाता था कि हर एक मर्तबान की एक अलग देवता रक्षा करता है। दिल को शरीर में ही छोड़ दिया जाता था, तो वहीं मस्तिष्क को निकाल कर फेंक दिया जाता था। मिस्र के लोगों का मानना था कि मृतकों को परलोक में अपनी सांसारिक संपत्ति की जरूरत होती है। ऐशो आराम सुनिश्चित करने के लिए कब्रों को सामानों से भर दिया जाता था, जिनमें फर्नीचर, गहने, भोजन और कपड़े जैसी चीजें होती थीं। धनी लोगों की अधिक बड़ी कब्रें होती थीं, जिन्हें अक्सर जटिल नक्काशी और चित्रों से सजाया जाता था।

मिस्र के दफन अनुष्ठानों में पुजारियों की अहम भूमिका थी। वे मरने वाले की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए समारोह करते थे। मृतक की इंद्रियों को वापस लाने के लिए मुंह खोलने की रस्म निभाई जाती थी। पुजारी मृतक को बुरी आत्माओं से बचाने के लिए मंत्र और प्रार्थनाएं पढ़ते थे। मृतक को परलोक में जीवित रखने के लिए भोजन और पेय का प्रसाद चढ़ाया जाता था। उनके सम्मान में शोक मनाने वाले जुलूसों में संगीतकार और नर्तक शामिल होते थे। उनक नाम कब्र पर अंकित किया जाता था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें याद रखा जाए और वे प्रसाद प्राप्त कर सकें।

एलजी व आप सरकार में फिर तकरार

एमसीडी की स्थायी समिति का गठन रुका

» दो बार शीर्ष कोर्ट में जाने से लटका मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में उपराज्यपाल वी.के सक्सेना और आम आदमी पार्टी के बीच एकबार फिर टकराव हो गया है। एलजी व सरकार की तनातनी से एमसीडी की स्थायी समिति के गठन की प्रक्रि या एक बार फिर रुक गई है। इस बार सदन में एक सदस्य के उपचुनाव के कारण समिति के गठन का मामला रुका है, जबकि गत वर्ष एमसीडी में पार्षद मनोनीत करने के मामले के कारण समिति का गठन की प्रक्रि या रुकी थी। दोनों बार मामला सुप्रीम कोर्ट में जाने से लटका है। सुप्रीम कोर्ट ने सदन में हुए एक सदस्य के चुनाव का आने पर समिति के गठन पर रोक लगाई है।

हालांकि, गत वर्ष ने उन्होंने रोक नहीं लगाई थी। मगर एमसीडी ने समिति का गठन करने की प्रक्रिया आरंभ नहीं की थी। दो माह पहले मनोनीत पार्षदों के नियुक्त करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय उपराज्यपाल के पक्ष में आने के बाद एमसीडी ने समिति के गठन की प्रक्रिया आरंभ हुई थी। मगर गत 26 सितंबर को एक सदस्य के चुनाव के दौरान पार्षदों को सदन में मोबाइल फोन ले जाने के मामले में मेयर व अधिकारियों में टकराव हो गया था। मेयर ने चुनाव कराए बिना सदन की बैठक पांच अक्तूबर तक स्थगित कर दी थी, लेकिन उनके आदेश के कुछ देर बाद उपराज्यपाल ने यह चुनाव कराने की प्रक्रिया आरंभ कराने की पहल कर दी थी और उनके निर्देश पर 27 अक्तूबर को चुनाव हो गया है।

कल फिर लगेगी पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की जनता अदालत

राजधानी दिल्ली में एक बार फिर जनता की अदालत लगने जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 6 अक्टूबर को जनसभा को संबोधित करेंगे। उन्होंने इससे पहले दिल्ली के जंतर-मंतर पर जनता की अदालत लगाई थी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल रविवार को छत्रसाल स्टेडियम में जनता की अदालत कायक्रम में शामिल होंगे। सांसद संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देते हुए संकल्प लिया था, वह दिल्ली की जनता से अपनी ईमानदारी का सर्टिफिकेट लेकर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली वालों को सारी सुविधाएं मुफ्त में दीं। उसके बाद भी मुनाफे का बजट पेश किया लेकिन भाजपा उन पर झूठा आरोप लगा रही है। उन्हें गलत आरोप लगाकर जेल में डाला गया लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी है।

एमसीडी सदस्य के चुनाव में एलजी पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के उपराज्यपाल की ओर से दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति के छठे सदस्य के चुनाव के लिए निर्देश जारी करने के तरीके पर घोर आपत्ति जताई। शीर्ष अदालत ने कहा, अगर ऐसा होगा तो लोकतंत्र का क्या होगा? शीर्ष कोर्ट ने सवाल किया कि मेयर की अनुपस्थिति में चुनाव कराने में आखिर इतनी जल्दी क्या थी? कोर्ट ने एलजी की ओर से डीएमसी अधिनियम की धारा 487 का जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा, धारा 487 एक कार्यकारी शक्ति है। यह विधायी कार्यों में हस्तक्षेप करने के लिए नहीं है। यह एक सदस्य का चुनाव है। अगर आप इस तरह से हस्तक्षेप करते रहेंगे, तो लोकतंत्र का क्या होगा? सुनवाई के दौरान पीठ ने एलजी की शक्तियों की वैधता पर गंभीर संदेह व्यक्त किया।

एलजी के कार्यों की होनी चाहिए जांच : जस्टिस नरसिम्हा

सुनवाई की शुरुआत में एलजी के वकील संजय जैन ने याचिका की स्वीकार्यता पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, चुनौती सिर्फ तभी दी जा सकती है, जब चुनाव याचिका दायर की जाए। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा, हमारा भी प्रारंभिक विचार यही था कि अनुच्छेद 32 की याचिका क्यों। मामले पर गौर करने के बाद, हमें लगता है कि यह ऐसा मामला है, जहां हमें नोटिस जारी करना चाहिए, खासकर जिस तरह से धारा 487 के तहत शक्तियों का प्रयोग किया गया है। हमें आपकी शक्तियों की वैधता पर गंभीर संदेह है। इस पर जैन ने कहा कि मेयर ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 128 का उल्लंघन किया है। तब पीठ ने कहा कि उसे मेयर के आचरण के बारे में भी कुछ आपत्तियां हैं लेकिन एलजी के कार्यों की जांच की जानी चाहिए।

श्रीनेत के ट्वीट ने बढ़ाई हलचल

» प्रवक्ता की ट्वीट को कांग्रेस की रणनीति के एक हिस्से के रूप में देखा जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के ट्वीट ने जो हलचल पैदा की है, वह भाजपा के किसी प्रमुख नेता को लेकर चर्चाओं और कयासों का केंद्र बन गई है। ट्वीट में दिल्ली के होटल और रूस का जिक्र कर उन्होंने एक गहरी राजनीतिक उत्सुकता जगाई है, जिसे विभिन्न वर्गों में बड़े ध्यान से देखा जा रहा है।

आगामी 7 सीटों के उपचुनावों और हरियाणा में वोटिंग की तैयारी के बीच इस ट्वीट को कांग्रेस की रणनीति के एक हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह ट्वीट जातीय समीकरणों पर असर डाल सकता है, खासकर यदि इसे किसी विशेष जाति के नेता को टारगेट करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। यदि इस ट्वीट से कांग्रेस का पारंपरिक वोट बैंक भाजपा की ओर खिसकता है तो इससे आगामी हरियाणा चुनाव और राजस्थान के उपचुनावों में कांग्रेस को बड़ा नुकसान हो सकता है। राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामलों में किसी भी बयान या ट्वीट के पीछे जातिगत समीकरणों का ध्यान रखना बेहद महत्वपूर्ण है, ताकि पार्टी के वोट बैंक को नुकसान न पहुंचे।

पंजाब के मुद्दों पर नजरिया बदले भाजपा : जाखड़

» इस्तीफे की चर्चाओं के बीच हाईकमान को प्रदेश अध्यक्ष सुनील की नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इस्तीफे की चर्चाओं के बीच पंजाब भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ ने हाईकमान और केंद्र को पंजाब के मुद्दों पर अपना नजरिया बदलने की नसीहत दी है। पंजाब भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बीते कई दिनों से दिल्ली रुके हुए हैं। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद पंजाब भाजपा अध्यक्ष का चेहरा बदला जा सकता है।

जाखड़ ने हाईकमान के समक्ष इस पद की जिम्मेदारी दूसरे को सौंपने को लेकर अपना पक्ष रखा है। इन मुलाकातों के दौरान जाखड़ ने पार्टी हाईकमान को पंजाब के मुद्दों पर संवेदनशीलता और अपनापन दिखाने के लिए कहा है। प्रदेशाध्यक्ष जाखड़ ने किसानों के मुद्दे, प्रदेश के युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों और विकास कार्यों की विशेष रूप से ध्यान देने की मांग की है। यहां तक कि जाखड़ ने पार्टी हाईकमान से कहा कि पंजाब केंद्र सरकार से कई उम्मीदें रखता है, जिसे पूरा किया जाना चाहिए। डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पैरोल देने जैसे मामलों पर भी चर्चा की है। जाखड़ ने बीते लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर भी पार्टी हाईकमान के समक्ष अपने विचारों को रखा है। प्रदेशाध्यक्ष जाखड़ की अध्यक्षता में हुए लोकसभा चुनाव में बेशक भाजपा एक भी सीट जीतने में नाकाम रही, लेकिन भाजपा का पंजाब में वोटिंग प्रतिशत बढ़ा है। 2014 में पंजाब में भाजपा का वोटिंग प्रतिशत 8.70, 2019 में 9.63 और 2024 में 18.41 प्रतिशत बढ़ा है।

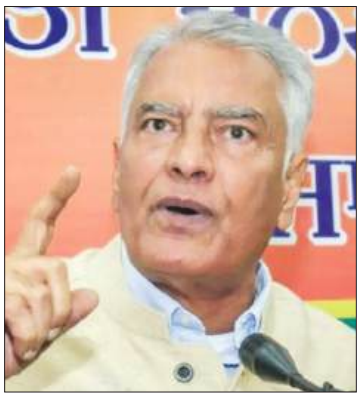

टिकट बंटवारे को लेकर जाहिर की अपनी नाराजगी

जाखड़ ने पार्टी हाईकमान से चर्चा के दौरान टिकट बंटवारे को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। जाखड़ ने प्रदेश की दो से तीन सीटों पर प्रत्याशी घोषित करने में उनकी सलाह को नजरंदाज करने पर अपना पक्ष रखा है।

भारतीय महिलाओं ने पहले मैच में ही किया निराश

» आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड ने हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप-2024 की शुरुआत अच्छी नहीं की है। उसे अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट खोकर 160 रन बनाए। भारतीय टीम इस स्कोर के सामने लड़खड़ा गई और 102 रनों पर ढेर हो गई। 58 रन से हार के बाद भारत और न्यूजीलैंड के नाम कुछ रिकॉर्ड दर्ज हो गए हैं। टीम इंडिया ने कुछ ऐसे रिकॉर्ड बना दिए हैं जो कोई भी टीम बनाना नहीं चाहेगी।

वहीं न्यूजीलैंड ने भी रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया है। क्या हैं वो रिकॉर्ड बताते हैं आपको। भारतीय टीम की गेंदबाज शिखा पांडे ने इस मैच में अपने कोट के चार ओवर फेंके और 52 रन खर्च किए, लेकिन उनके नाम एक भी विकेट नहीं आया। शिखा ने इसी के साथ महिला टी20 वर्ल्ड कप में सबसे महंगी वापसी का रिकॉर्ड बनाया है। वापसी पर उनसे ज्यादा रन किसी और गेंदबाज ने खर्च नहीं किए थे। हैरानी की बात है कि इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर भी भारत की गेंदबाज हैं जिनका नाम दीप्ति शर्मा है। दीप्ति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 45 रन दिए लेकिन विकेट नहीं लिया। न्यूजीलैंड की गेंदबाज रोजमैरी मेर ने इस मैच में चार ओवरों में 19 रन देकर चार विकेट लिए। वह महिला टी20 वर्ल्ड कप में चार विकेट लेने वाली दूसरी सबसे सफल गेंदबाज हैं। उनसे आगे निकोला ब्राउन हैं जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 2010 में 15 रन देकर चार विकेट लिए थे। तीसरे नंबर पर सोफी डिवाइन हैं जिन्होंने 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 22 रन देकर चार विकेट लिए।

भारत की रनों के लिहाज से अभी तक की दूसरी सबसे बड़ी हार

ये महिला टी20 वर्ल्ड कप में भारत की रनों के लिहाज से अभी तक की दूसरी सबसे बड़ी हार है। इससे पहले उसे 2020 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने 85 रनों से मात दी थी। इस मैच में न्यूजीलैंड की बल्लेबाज सोफी डिवाइन का बल्ला जमकर चला। सोफी ने 36 गेंदों पर सात चौकों की मदद से नाबाद 57 रन बनाए। इसी के साथ सोफी न्यूजीलैंड की पहली बल्लेबाज हैं जिन्होंने महिला टी20 वर्ल्ड कप के मैच में नंबर-4 या उससे नीचे खेलते हुए 50 से ज्यादा का स्कोर किया है। उनसे पहले फ्रांसेस मैके ने साल 2012 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ गॉल में 49 रनों की पारी खेली थी।

योगी सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया आईना

पत्रकारों पर एफआईआर को लेकर दुनिया भर में आलोचना

» शीर्ष अदालत बोली- सरकार की आलोचना पर जर्नलिस्ट पर नहीं किया जा सकता केस

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी में भाजपा की योगी सरकार को जमकर फटकारा है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि एक जर्नलिस्ट के खिलाफ सिर्फ इसलिए क्रिमिनल केस नहीं दर्ज किया जा सकता है कि उनकी लेखनी में सरकार की आलोचना है। कोर्ट के इस फैसले के बाद बीजेपी सरकार की चारों ओर से आलोचना हो रही है। वहीं अदालत के फैसले का राजनीतिक दलों समेत कई संगठनों ने स्वागत किया है।

दरअसल 20 सितंबर को हजरतगंज थाने में पत्रकार अभिषेक उपाध्याय के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पत्रकार अभिषेक उपाध्याय की ओर से दायर की गई याचिका में दावा किया गया कि जब उन्होंने 'यादव राज बनाम ठाकुर राज' शीर्षक से खबर की तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया गया।

यूपी सरकार को नोटिस जारी कर तुरंत जवाब देने के आदेश

चार हफ्ते बाद होगी मामले की अगली सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद-19 (1)(ए) के तहत पत्रकारों का अधिकार प्रोटेक्टेड है। सरकार की आलोचना मानकर किसी पत्रकार के खिलाफ केस दर्ज नहीं किया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता के खिलाफ यूपी में पुलिस ने उनकी सामान्य प्रशासन में जाति विशेष की भागीदारी संबंधित रिपोर्ट के मामले में केस दर्ज किया था। इस केस को खारिज करने के लिए याची पत्रकार ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। मामले की अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद होगी। इससे पहले भी शीर्ष अदालत में इस तरह के मामले पहुंच चुके हैं जिस पर सरकारों को चेतावनी मिली है।

अभिव्यक्ति की आजादी सबका अधिकार : जस्टिस रॉय

जस्टिस ह्रषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भाटी की बेंच ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उस याचिका पर की, जिसमें एक जर्नलिस्ट ने यूपी में अपने खिलाफ दर्ज केस को खारिज करने के लिए गुहार लगाई है। कोर्ट ने यूपी सरकार को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने के लिए कहा। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर राज्य के कानून लागू करने वाले तंत्र का दुरुपयोग करके उसकी आवाज दबाने का स्पष्ट प्रयास है। आगे किसी भी तरह के उत्पीड़न को रोकने के लिए इसे रद्द किया जाना चाहिए।

ऑनलाइन धमकियां मिलने के बाद डीजीपी से की शिकायत : याचिकाकर्ता

याचिकाकर्ता अभिषेक उपाध्याय का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विपक्ष के नेता अखिलेश यादव द्वारा एक्स पर एक पोस्ट में इसकी सराहना किए जाने के बाद उनका लेख चर्चा का विषय बन गया। इसके बाद उन्हें ऑनलाइन धमकियां मिलनी शुरू हो गईं। ऐसी धमकियों के खिलाफ उन्होंने यूपी पुलिस के कार्यवाहक डीजीपी को एक ईमेल लिखा और उसे अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। इस फैसले के बाद अभिषेक उपाध्याय ने एक्स पर लिखा..सुप्रीम न्याय। उन्होंने लिखा कि सुप्रीम कोर्ट ने मेरी याचिका को स्वीकार करके सीएम योगी आदित्यनाथ को ईश्वर बताकर मेरे खिलाफ की गई एफआईआर को रोक दिया है। साथ ही मुझे प्रोटेक्शन से देते हुए यूपी सरकार को नोटिस जारी कर दिया है। उन्होंने साथ ही कहा उन सभी लोगों को धन्यवाद जिन्होंने मेरे साथ विषम परिस्थितियों मे सहयोग किया। उन्होंने अपने वकील दोस्त अनूप प्रकाश अवस्थी को भी आभार प्रकट किया। वहीं उपाध्याय ने 4पीएम के संपादक संजय शर्मा का उनका साथ देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

मूर्ति बनाने से ज्यादा जरूरी है विचारधारा की रक्षा : राहुल

» नेता प्रतिपक्ष बोले- शिवाजी महाराज की सोच से ही बना संविधान

» भाजपा से राजनीतिक नहीं विचारधारा की लड़ाई है

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कोल्हापुर। नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी पर जोरदार वार किया। भाजपा पर निशाना साधते हुए राहुल ने कहा कि उन्होंने शिवाजी महाराज की एक मूर्ति बनाई और कुछ दिनों के बाद मूर्ति टूट कर गिर गई। उनकी मंशा गलत थी और मूर्ति ने उन्हें संदेश दिया कि अगर आपको शिवाजी महाराज की मूर्ति बनानी है तो आपको शिवाजी महाराज की विचारधारा की रक्षा करनी होगी। राहुल ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने संदेश दिया था कि देश सब का है, सभी को साथ लेकर चलना है और अन्याय नहीं करना है।

उन्होंने कहा कि आज संविधान शिवाजी महाराज की सोच का चिह्न है। शिवाजी महाराज की सोच से ही संविधान बना है, क्योंकि इसमें हर वो बात है, जिसके लिए वह पूरी जिंदगी लड़े। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए शनिवार को कोल्हापुर पहुंचे हैं। राहुल गांधी की कोल्हापुर यात्रा महाराष्ट्र में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हो रही है। गांधी भगवा चौक पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान राहुल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज उसी विचारधारा के खिलाफ लड़ रही है जिसके खिलाफ शिवाजी महाराज ने लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने आदिवासी राष्ट्रपति को राम मंदिर और संसद के उद्घाटन में शामिल नहीं होने दिया। ये कोई राजनीतिक लड़ाई नहीं है, ये विचारधारा की लड़ाई है।

शिवाजी महाराज ने जीवन भर अन्याय के विरुद्ध न्याय का युद्ध लड़ा

कांग्रेस नेता ने कहा कि जब हम शिवाजी की मूर्ति का उद्घाटन कर रहे हैं, तो ये वचन भी लेना चाहिए कि शिवाजी महाराज पूरा जीवन जिस तरह जिए और जिन बातों के लिए लड़े, हमें भी उन चीजों के लिए लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने जीवन भर अन्याय के विरुद्ध, न्याय का युद्ध लड़ा और सत्य की राह पर चलने की बात सिखाई। हम उन्हीं के रास्ते पर चलकर लोगों के न्याय के हक की लड़ाई लड़ते रहेंगे।

छात्र ने बिल्डिंग से कूदकर की आत्महत्या

» जानकीपुरम का निवासी था 17 वर्षीय युवक

» आईआईटी-जेईई की तैयारी कर रहा था छात्र

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। हजरतगंज थाना क्षेत्र के चरण प्लाजा के पास इंजीनियरिंग की कोचिंग कर रहा छात्र कोचिंग सेंटर की 8वीं मंजिल से कूदने से हुई मौत घटना के बाद कोचिंग सेंटर में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की मदद से छात्र को हॉस्पिटल ले जाया गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक छात्र सुबह कोचिंग करने पहुंचा था और छत पर पहुंचकर नीचे कूद गया।

पुलिस की तरफ से जानकारी देते हुए प्रेस नोट में बताया गया 5.10.2024 को सुबह लगभग 07:30 बजे कामर्स हाउस बिल्डिंग के गार्ड ने थाना हजरतगंज को सूचना दी कि एक युवक बिल्डिंग से कूद गया है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फील्ड यूनिट को बुलाकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

फोटो :4 पीएम

कार्यक्रम कन्वेंशन सेंटर में केजीएमयू के इमरजेंसी मेडिसिन विभाग की ओर से नेमिकॉन-2024 कार्यक्रम में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।